केस स्टडी – 2 किसान उत्पादन संगठन
चैतन्या कृषि क्लीनिक्स – किसान उत्पादन संगठन के सेवा प्रदाता

लेखक : सरवणन राज और ज्योति टॉड

भारत/ पश्चिमी क्षेत्र/ महाराष्ट्र / पूणे/ चैतन्य एग्रीक्लिनिक्स / किरण दुंबरे

पहल का विवरण

उद्यम –

किरण दुंबरे 2014 से चैतन्या कृषि क्लीनिकों को प्रमोट करने आए हैं। क्लीनिक्स किसान – उत्पादक संगठनों को तकनीकी सहयोग देती आई हैं। ए पी ओ के सदस्यों के लिए दीर्घकालिक व्यापार इकाइयों के विकास एवं गठन के लिए इन तकनीक सहयोगी सेवाओं की आवश्यकता थी। चैतन्या एग्री-क्लीनिक अपने लक्षित एफ पी ओ को उसके विकास की रणनीति बनाकर एक संगठन के रूप में उभरने के उद्धेश्य से तकनीकी परामर्श प्रदान करता है। इसके साथ-साथ स्थानीय क्षेत्रों में लक्षित कृषक समाज में नवोन्मेषी सेवाओं के कार्यान्वयन के रूप में शेअर पूंजी में वृद्धि करना भी इसका एक उद्देश्य है।

कृषि उद्यमी – किरण दुंबरे एक सफल कृषि उद्यमी ने बी एस सी कृषि के साथ एम बी ए मार्केटिंग किया है और उन्होंने कृषि मंत्रालय व किसान कल्याण, विभाग, भारत सरकार की ए सी एवं ए बी सी योजना 09 जुलाई से 06 अगस्त 2008 (आई डी नंबर एम एस 5053) में मिटकॉन परामर्श सेवा लिमिटेड से पूरी की और कृषि परामर्श सेवाओं का शुभारंभ किया।

"जब कोई किसान अपना स्वयं का उद्यम आरंभ करता/करती है तो एक कृषि उद्यमी को अपार संतोष की अनुभूति होती है।" – किरण दुंबरे

चुनौतियाँ –

- एकल किसानों को औपचारिक संरचनात्मक संगठनों के रूप में रूपांतरित करना।
- एफ पी ओ की शेअर पूंजी में वृद्धि ।
- एफ पी ओ के लिए व्यापार योजना का विकास।
- एफ पी ओ के बैंकों से संपर्क का प्रोन्नयन।
- अधिनियमों व विनियमों के बारे में जानकारी ।
- लाइन विभागों के साथ संपर्क।

समाधान –

- संगठित किसान संस्थान के लाभों के प्रति दूर दृष्टि प्रदान करना।
- मौजूदा उत्पादन पद्धतियों में छुटपुट परिवर्तन करके अल्पकालिक वित्तीय रूप से व्यावहारिक गतिविधियों का शुभारंभ करना।
- लक्षित किसानों के समूहों में महत्वपूर्ण व्यापार योजना के सुनिश्चयन हेतु क्लस्टर आधारित दृष्टिकोण। बैंकरों को, किसानों की वित्तीय क्षमता से अवगत करवाना। "वित्तीय समावेश" के बारे में किसानों के बीच जागरूकता उत्पन्न करना।
- तकनीकी सहयोग के लिए चार्टर्ड अकाउंटेंट फ़र्म के साथ असोसिएशन का गठन। विभागीय अधिकारियों के साथ एफ पी ओ के प्रतिनिधियों की प्रतिभागिता।

- **परिणाम –**
- 3 एफ पी ओ को सेवाएँ प्रदान की जा रही हैं। उनमें से एक ने दीर्घकालिक व्यापार योजना विकसित की ।
- 15 से 20 किसानों का एक दल बनाया गया। आगे चलकर यह ग्रुप किसान उत्पादक कंपनी का रूप ले लेगा, जिसमें 1000 से 1500 किसान शामिल होंगे।
- 10 संयुक्त दायित्व ग्रुपों ने 5 सेल्फ हेल्प ग्रुपों को प्रमोट किया। 5 सेल्फ हेल्प ग्रुप और 2 एफ पी ओ को बैंकों से लिंक किया गया ताकि वे बैंक की मंजूरी से अपने कृषि इनपुटों का सामूहिक रूप से प्रापण कर सकें।
- कुल 700 किसानों को औपचारिक संगठनों में शामिल किया गया।
- कुल 600 सदस्यों ने 4 एफ पी ओ के लिए 6,00,000 रु की शेयर पूंजी की वृद्धि की।

स्थापित उद्यम का विस्तृत विवरण

एक कृषि उद्यमी होने के नाते व्यक्तियों की अपेक्षा किसी समूह के लिए काम करना अधिक मददगार होता है। इससे ईक्विटी में सुधार होता है और हमें आर्थिक लाभ भी प्राप्त होता है। चैतन्या एग्री क्लीनिक ने सेवाएँ प्रदान करने के लिए तकनीकी जानकारी तथा उसके पहले व बाद के एकीकरण के लिए एक सामाजिक दृष्टिकोण को अपनाया है। पिछले दशक के दौरान विभिन्न सरकारी और गैर सरकारी संस्थाओं द्वारा एफ पी ओ के गठन एवं प्रोन्नयन के लिए बहुत बड़ा आंदोलन चलाया गया। दुर्भाग्यवश अपने प्रादुर्भाव के 4-5 वर्ष बाद भी, वे ये किसान उत्पादक कंपनियाँ अपने बलबूते खड़ी न हो सकीं। उन्हें शेयर पूंजी के प्रोन्नयन व्यापारिक गतिविधियों के विकास आदि में काफी दिक्कत हो रही है। कृषि उद्यमी अपने क्षेत्र के कृषि उत्पादन विशेषज्ञ भी होते हैं। मौजूदा प्रणाली के इस अंतर व्यापारिक अवसरों में तीव्रता लाई और अब कृषि उद्यमी एम ए एच ए एफ पी सी (एफ पी सी, महाराष्ट्र का एक राज्य स्तर का एक संघ)

"चैतन्या एग्री क्लीनिक नामक उद्यम ने शुरुआत में लैपटॉप खरीदने के लिए एस बी आई से रु॰ 50000 का छोटा सा कर्ज लिया मिटकॉन कंसल्टेंसी प्रा॰ लि॰ के नोडल प्रशिक्षण अधिकारियों ने इन्हें परामर्शक सहयोग दिया। मैनेज में आयोजित विभिन्न पुनश्चर्या प्रशिक्षण ने मूल्यवर्द्धन, कौशल संवर्धन, क्षमता निर्माण के माध्यम से भरपूर सहयोग दिया और बैंक में प्रस्तुत करने योग्य प्रस्ताव की अवधारणा द्वारा उन्होंने वास्तव में मूल्यवर्द्धन किया।

किसानों, स्वयं सहायता ग्रुपों के सदस्यों, एफ पी ओ व एन जी ओ स्टाफ का प्रशिक्षण एवं क्षमता निर्माण

चैतन्या कृषि क्लीनिकों ने 700 किसान सदस्यों और एन जो ओ स्टाफ कॉ प्रशिक्षण प्रदान किया।

वित्तीय समावेशन केन्द्रों के माध्यम से सेवाएं

चैतन्या एग्री क्लीनिकों द्वारा वित्तीय केन्द्रों के माध्यम से वर्ष में 600 सदस्यों को सेवाएँ प्रदान की जाती हैं।

नाबार्ड की संयुक्त दायित्व योजना का प्रोन्नयन और 20 संयुक्त दायित्व ग्रुपों का प्रोन्नयन। परली वैजनाथ ब्लॉक बीड जिला के 25 किसानों हेतु सब्जियों के उत्पादन का प्रोन्नयन

एफ पी ओ हेतु प्याज के बीजों का उत्पादन

चैतन्या कृषि क्लीनिकों ने कृषि जीवन कृषि उत्पादक कंपनी धंगरवाडी, ताल जुनार जिला पुणे की ओर से बीजोत्पादन के आयोजक के तौर पर सेवाएँ प्रदान करने की शुरुआत की है। जुनार में पुणे जिले के अंबेगाँव ब्लॉक में प्याज की खेती 10000 हेक्टेयर के विशाल क्षेत्र में की जाती है। यहाँ के किसान 2000-3000 रु॰ प्रति किलो की दर पर स्थानीय बीज वितरकों से प्याज के बीज खरीदा करते थे। इससे उत्पादन की लागत बढ़ने के साथ-साथ किसानों को लाभ भी बहुत कम होता है। इसले अलावा बीजों की गुणवत्ता भी एक समस्या है जिसके कारण फसल में भारी नुकसान होता है।

दीर्घकालिक कपास-उत्पादन के लिए गैर जी एम ओ का प्रोन्नयन

चालू खरीफ मौसम के दौरान, चैतन्या एग्री क्लीनिकों ने गैर जी एम कपास की किस्म अनुसूया के लिए बीजोत्पादन कार्यक्रम लागू किया। सूखाग्रस्त क्षेत्रों के लिए इसे बी टी कपास का बेहतर विकल्प माना जाता है। इस फसल पर कीटों आदि का हमला भी नहीं होता। एच ए एन पी वी के इस्तेमाल से बॉलवर्म को भी नियंत्रित किया गया।

चुनौतियाँ

व्यवधान – चूंकि संगठनात्मक विकास हेतु परामर्श सेवा अथवा विशेषज्ञों का सहयोग प्रदान करना एक नितांत नवोन्मेषी गतिविधि है, अत: लक्षित ग्राहकों (किसानों) के ग्रुप इन सेवाओं के बदले कोई भुगतान करने के इच्छुक नहीं होते।

- कंपनियों के गठन की तकनीकी जानकारी का प्राधिकार कृषि उद्यमी के पास नहीं होता।
- किसानों को सामुदायिक संगठनों में शामिल करवाना एक बहुत बड़ा टास्क है। व्यक्तिगत उत्पादकों/किसानों को संगठन गठित करने के लिए समझाने व प्रेरित करने के लिए पर्याप्त कौशल की आवश्यकता होती है।
- कंपनियों के प्रादुर्भाव के उपरांत, उनके लिए शेयर पूंजी एकत्रित करना और व्यापार योजना का विकास करना बड़ी चुनौतियाँ हैं।

सबक

- कृषक – समुदायों को उनकी समस्याओं का समुचित समाधान मिल जाए तो वे कृषि उद्यमी को सहयोग कर सकते हैं।
- किसी भी सामुदायिक संगठन के दीर्घकालिक विकास के लिए आवश्यक लघु निधियों को प्रसारित करने वाली गतिविधियों को प्रोत्साहित किया जाना चाहिए।
- सामुदायिक संगठनों के माध्यम से सेवाओं इंफ्रास्ट्रक्चर को प्रोत्साहित करना, स्थानीय कृषि को सहयोग देना आदि क्षेत्र/मोहल्ले के लिए अतिरिक्त सुविधाजनक होता है।

बाधाओं का निवारण

- कंपनी अधिनियम 1956 के तहत ये उद्यम, तकनीकी सहयोग के लिए, चार्टर्ड अकाउंटेंट फर्म के साथ ही विकसित किया गया।
- समय-समय पर विभिन्न सरकारी योजनाओं व पहलों की अद्यतन जानकारी प्राप्त करने के लिए विभिन्न लाइन विभागों के अधिकारियों के साथ सम्प्रेषण व परामर्श करना।

Sensitization of Farmers to Clear defaulter status by repaying loan and encourage new loan for Dairy activity - 7 farmers from Nandura Block, Dis Buldhana have repayed DCCB loan which already declared bankrupsy.

समाधान

पहलें

- एफ पी सी के दीर्घकालिक विकास के लिए एफ पी ओ हेतु बीज उत्पादन कार्यक्रम का कार्यान्वयन।
- लक्षित क्षेत्र में वनस्पति उगाने वाले किसानों के लिए प्याज की फसल एक प्रमुख और सुनिश्चित फसल है। परंतु गुणवत्तापूर्ण बीजों की उपलब्धता हमेशा एक बढ़ा बनी रही। इसके बीजों की कीमत 2000 से 3000 रु॰ प्रति कि॰ ग्रा॰ होती है।

बाधाओं के निवारण हेतु नवप्रवर्तन

"चैतन्या" एग्रीक्लीनिक ने इस अवसर को एफ पी ओ के विकास के लिए एक प्रस्तावित व्यापारिक गतिविधि के तौर पर आरंभ किया है। स्थानीय एफ पी ओ के साथ मिलकर यह शुरुआत बहुत सफलतापूर्वक निष्पन्न कि गई है। कृषि उद्यमी ने प्याज की फसल के लिए बीज उत्पादन योजना महाराष्ट्र के विदर्भ क्षेत्र में आरंभ की। इस कार्य के लिए उत्तम रोपण सामग्री व तकनीकी जानकारी वाले कुछ किसानों को चुना गया।

परिणाम

प्रभाव

- उत्पादक किसानों के लिए उचित दामों पर अच्छी क्वालिटी वाले बीजों की उपलब्धता।
- एफ पी ओ के लिए राजस्व प्रसार की गतिविधियां ।
- शेयर मूल्य में वृद्धि द्वारा एफ पी ओ का विकास।
- ग्राम स्तर पर इंफ्रास्ट्रक्चर सुविधाओं की स्थापना ।
- तीन एफ पी ओ को सेवाएँ प्रदान की गई जिनमें से एक ने अपनी दीर्घकालिक व्यापार योजना तैयार की।
- 15 से 20 किसानों का एक दल बनाएँ । आगे चलकर यही दल किसान उत्पादक कंपनी का रूप ले लेंगे, जिनमें 1000 से 1500 किसान होंगे।
- 10 जे एल जी को प्रोन्नत किया गया ; 5 एस ए जी और 2 एफ पी सी को बैंक से लिंक किया ताकि वे संयुक्त रूप से अपने कृषि इनपुटों का प्रापण कर सकें।
- कुल 700 किसानों को औपचारिक संरचनात्मक संगठनों के तहत संगठित किया गया।
- कुल 600 सदस्यों की वृद्धि हुई, जिसके परिणामस्वरूप शेयर पूंजी में 4 एफ पी सी के लिए 6,00,000 रु॰ बढ़ोत्तरी हुई।

आउटकम

250 किसानों के लिए 800 कि॰ ग्रा॰ प्याज के बीज उपलब्ध करवाए गए जिसके फलस्वरूप एफ पी ओ के शेयर धारकों की संख्या में 250 की वृद्धि हुई और 1500*600 = 9,00,000 (81 हे॰ के लिए 600 कि॰ ग्रा॰ बीजों की बिक्री से) का राजस्व प्रसारित हुआ और 250*1000=2,50,000 की शेयर पूंजी जेनरेट हुई।

पुरस्कार व पहचान

महाराष्ट्र की राज्य स्तर की किसान उत्पादक कंपनी द्वारा पहचान – ए पी ओ के राज्य स्तर के कन्सोर्टियम को महाराष्ट्र में एस एफ ए सी द्वारा अभिप्रेरित किया गया।

निष्कर्ष –

किसी भी कृषि उद्यमी, कृषि क्लीनिक तथा कृषि व्यापार केंद्र प्रमोटर के समक्ष उसकी स्थापना एवं विकास में कई बाधाएँ आती हैं जैसे – वित्त, मानव संसाधन, स्थानीय प्रतिस्पर्धा जानकारी व तकनीकी कौशल आदि। नवोन्मेषी व उत्पादक गतिविधियों को परस्पर लाभप्रद स्थितियों में कार्यान्वित करने हेतु एफ पी ओ एक उत्तम प्लेटफार्म/ माध्यम बन सकेंगे। यह वित्तीय एवं संस्थागत रूप में एक प्रतीकात्मक वृद्धि होगी।

कृषि उद्यमी का नाम – किरण अशोक दुंबरे
पता – जी - 5 “चैतन्या” श्री राम कॉलोनी, एस बी आई भोसारी के सामने, अलंदी रोड, भोसारी, पुणे – 411039
क्षेत्र – महाराष्ट्र
आयु – 31 वर्ष
शिक्षा – कृषि स्नातक एम बी ए मार्केटिंग
वार्षिक आय – 30 लाख
मोबाइल – +91-97 666 96 570
ई मेल आई॰डी॰ - chaitanya.acabc@gmail.com

उद्धरण : सरवणन राज और ज्योति टॉड (2018). कृषि पर्यटन –यात्रा –कृषि पर्यटन वेंचर -केस स्टडी-2, अंक –1, कृषि उद्यमिता, मैनेज, हैदराबाद के साथ कृषि विस्तार एवं सलाहकारी सेवा के बहतरीन कार्य .